



PRADAN's Response to COVID-19 Crisis



#JeetengeHum

#जीतेंगे हम

प्रदान
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE
FOR DEVELOPMENT ACTION

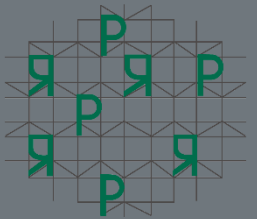
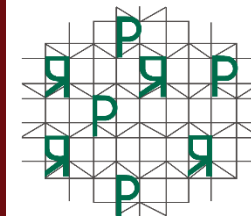


Table of Contents



Contents

1

Issues & Challenges Identified

2

PRADAN's Response & Outreach

3

Tackling COVID-19: PRADAN's Efforts at Grassroots

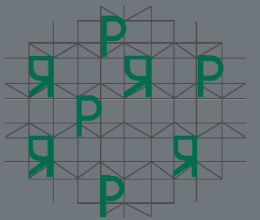
4

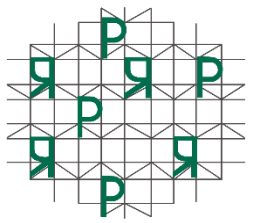
PRADAN's Planned Strategic Interventions & Recommendations

5

Appendix

Issues & Challenges Identified



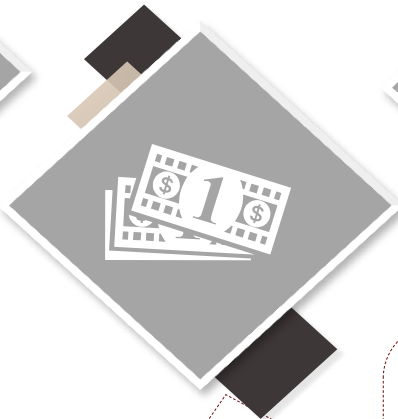


Issues & Challenges Identified (1/2)

As the COVID-19 crisis unfolds, it is bringing forth some unprecedented challenges for communities living across remotest and poorest rural pockets of India



Persistently increasing influx of migrant workers towards their home towns/villages



With Haats / Mandis all closed, there's no cash income for rural poor



Safeguarding health and well-being of residents as well as migrants workers at large scale



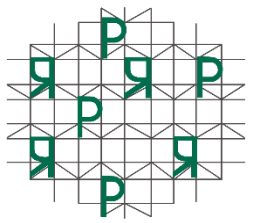
Difficulty in procuring food material / safety essentials, while trying to ensure zero hunger



No transportation facilities available to ferry essential items from cities to villages



Facilitating COVID-19 tests, preparing quarantine homes, and minimizing instances of mortality

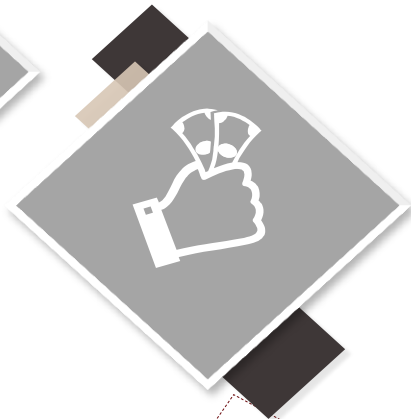
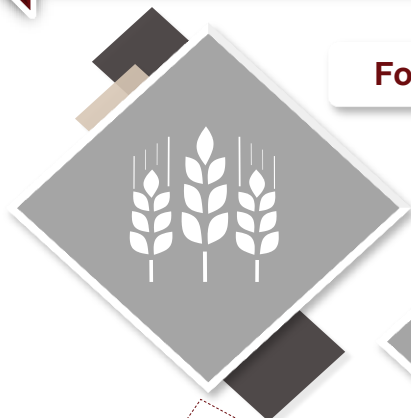


Issues & Challenges Identified (2/2)

There are certain issues and challenges which are lurking in the near future and are anticipated to give rise to some grave concerns as an aftermath of COVID-19 crisis

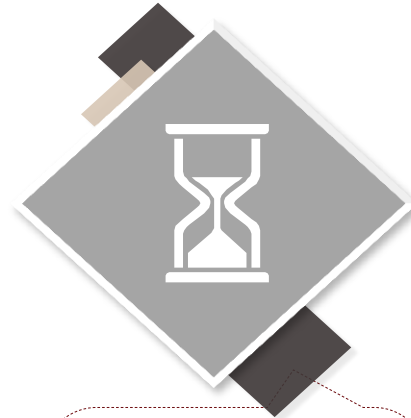


For Communities



With no crop harvesting as of now, there's no security of future income

Lack of investment for Kharif season cropping as no income is being generated currently

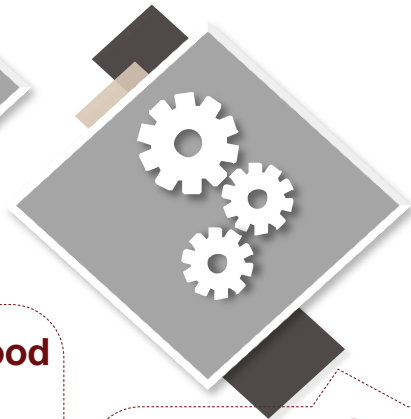


Uncertainty & duration of lockdown and COVID-19 crisis

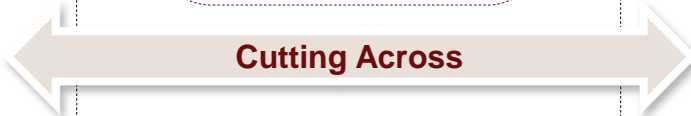
For CSOs



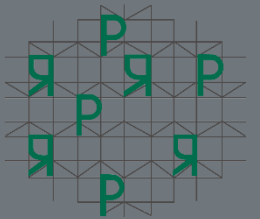
Ensuring livelihood and limiting distress migration of vulnerable communities once the crisis is over

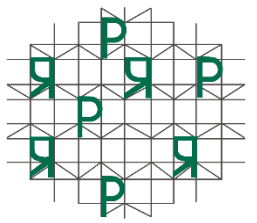


Future action planning and remodeled interventions CSOs may require as aftermath of COVID-19



PRADAN's Response & Outreach





PRADAN's Prompt Response to COVID-19 Pandemic

In collaboration with government/local administration, PRADAN promptly initiated response towards COVID-19 pandemic and undertook various initiatives to contain the spread, especially across remote rural pockets of India

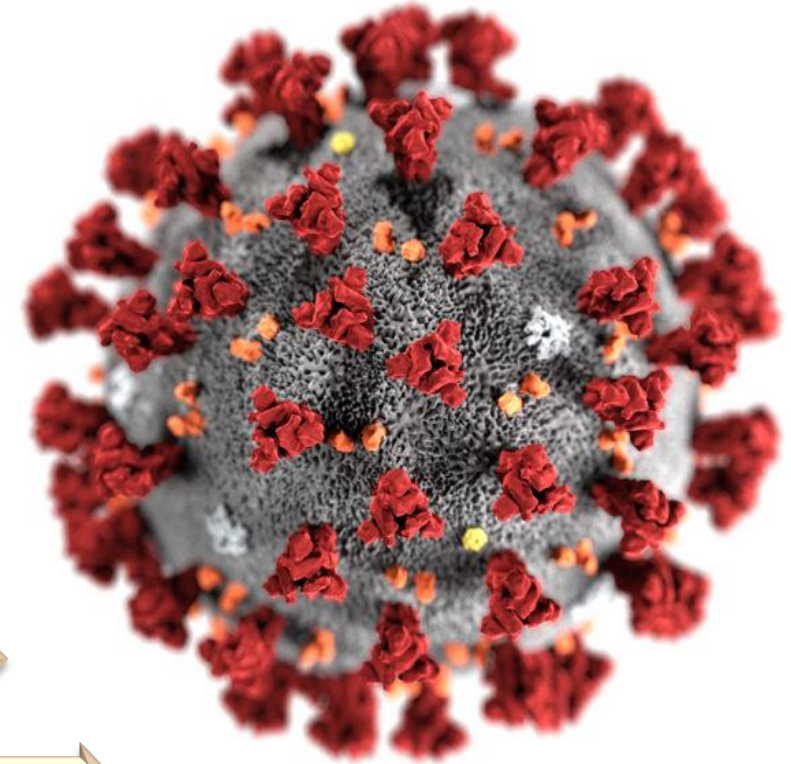
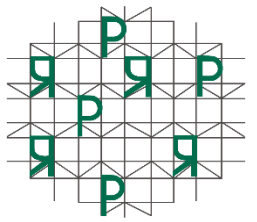


Image Credit: Alissa Eckert, dan Higgins/CDC



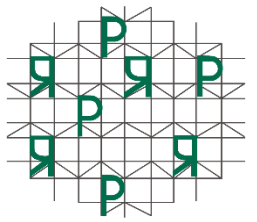
PRADAN's Outreach for Tackling COVID-19 (1/2)

Complementing efforts of government/local administration, PRADAN managed to raise funds and extend support to rural poor including distribution of food kits, safety essentials, awareness drives, etc.

Parameter	Statistics
No. of Hamlet where Awareness Done	14,378
No. of Community Kitchen Supported	326
No. of Quarantine Centers Supported	108
Net No. of Vulnerable Families Food Kits Provided	81,827
Net No. of Cadres & Families PPE Kits & Sanitary Provided	79,991
Net No. of Community Surveillance Cadre Working	5,221
Net No. of Families Supported Through Various Means Including Awareness Creation	7,02,504
Net No. of Village where Record Keeping Started	3,915
No. of Activities with State and Local Donors	8,955

Note

- **PRADAN is working across 7 states including Rajasthan, Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Jharkhand, Bihar, West Bengal, and Odisha**
- **Data as of May 12, 2020; Cumulative from April 04, 2020 (For Jharkhand) and April 09, 2020 (For other states)**
- **All Figures are Cumulative**

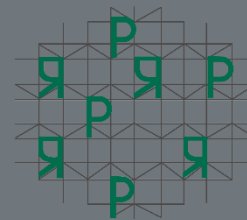


PRADAN's Outreach for Tackling COVID-19 (2/2)

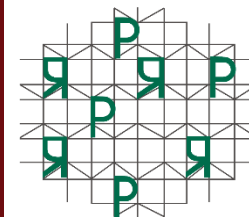
In collaboration with local administration and state government, PRADAN has been successfully supporting the rural poor across s most remotest and vulnerable pockets of India

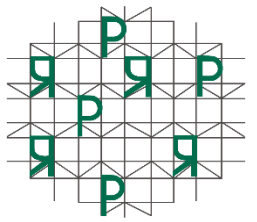
State	Place of Intervention (Blocks & Districts)
Bihar	Chandan & Katoria, Banka; Chakai, Jamui; Nardiganj & Narhat, Nawada; Kishanganj & Dighalbank & Bahadurganj & Thakurganj, Kishanganj; Narayanpur & Bihpur, Bhagalpur; Mohiuddinagar, Samastipur; Bakhtiyarpur & Fatua & Dhanarua, Patna
Chhattisgarh	Bhanupratappur, Kanker; Raigarh & Lailunga & Tammnar, Raigarh; Naharpur & Nagri & Dhamtari & Magarlod, Dhamtari; Darbha & Tokapal, Bastar
Jharkhand	Gola, Ramgarh; Jhinkpani & Hatgamaria & Tonto & Bandgaon & Chakradharpur & Sonua, Paschimi Singbhum; Kuru & Senha & Kisko, Lohardaga; Torpa & Khunti & Murhu & Erki, Khunti; Basia & Gumla & Raidih & Ghagra & Kamdara & Palkot, Gumla; Godda & Sundarpahari & Pathargama & Boarijore & Poraiyahat, Godda; Peterbar & Jaridih & Kasmar, Bokaro; Gopikander & Kathikund & Shikaripara & Dumka, Dumka; Tatijharia & Daru & Koderma & Padma & Barhi & Jainagar & Chouparan & Chandwara, Koderma; Churchu, Hazaribagh
Madhya Pradesh	Sihawal, Sidhi; Deosar & Waidhan, Singrauli; Mohgaon & Ghugri & Narayanganj, Mandala; Jaisinghnagar & Gohparu & Sohagpur, Shahdol; Karanjia & Samnapur & Amarpur, Dindori; Kesla, Hoshangabad; Shahpur & Betul & Ghoradoongri & Chicholi, Betul; Parasawada & Balaghat, Balaghat
Odisha	K.Nuagaon & Phulbani & Balliguda & Daringbadi, Kandhamal; Telkoi & Patna & Banspal, Kendujhar; Laxmipur & Lamtaputa & Nandpur, Koraput; Jashipur & Kusumi & Karanjia & Moroda & Thakurmunda, Mayurbhanj; Kolnara, Rayagada; Lanjigarh, Kalahandi
Rajasthan	Abu Road & Pindwara, Sirohi
West Bengal	Ranibandh & Indpur & Hirbandh & Khatra & Simlapal & Sarenga & Raipur, Bankura; Jhalda 1 & Jhalda-2 & Baghmundi & Barabazar & Kashipur, Puruliya; Jhargram & Binpur-1 & Binpur-2 & Jamboni & Nayagram, Jhargram

Tackling COVID-19: PRADAN's Efforts at Grassroots



Tackling COVID-19: Convergence with Government/Administration

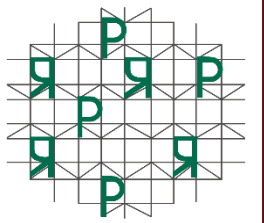


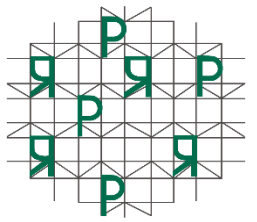


Tackling COVID-19: Awareness Drives/Jagrukta Rath



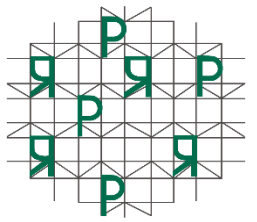
Tackling COVID-19: Facilitating Healthcare





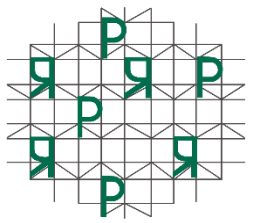
Tackling COVID-19: Ensuring Zero Hunger – Community Kitchens





Tackling COVID-19: Ensuring Zero Hunger – Ration Distribution





Tackling COVID-19: Helping Displaced Migrant Workers

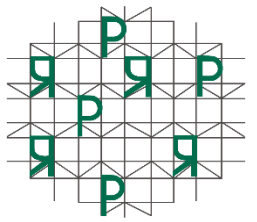


जागरण

कोरोना वायरस

बेंगलुरु में फंसे चक्रधरपुर के मजदूर
राउरकेला अंतर्गत बालुघाट गांव में एलएंडटी कंपनी
और बेंगलुरु के जेएमसी प्रोजेक्ट लिमिटेड में
चक्रधरपुर के भरनिया पंचायत के कई मजदूर फंसे
हुए हैं। इन्हें खाने-पीने की भी समस्या हो रही है।
इसकी सूचना मिलने पर प्रदान संस्था के लोगों ने
उनसे संपर्क कर आल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन
की मदद से उनतक राशन और सहायता पहुंचाई गई
है।

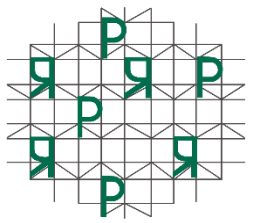




Tackling COVID-19: Convergence to Support Ultra Poor Families

PRADAN's Chakradharpur team joined hands with block administration, PRI, local leaders and VOs to fight against COVID-19, facilitate identification of ultra poor families across villages, and provide them ration & access to pension fund





Tackling COVID-19: PRADAN in News (1/4)

कोरोना के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक

पोड़ाहाट

सोनुवा | संवाददाता

विश्व भर में महामारी का रूप ले चुकी कोविड-19 कोरोना वायरस से बचाव के लिए विभिन्न उपाय अपनाने को लेकर सोनुवा प्रखंड के विभिन्न गांवों में प्रदान संस्था व पोड़ाहाट महिला महासंघ द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान प्रचार वाहन गांव-गांव जाकर लाउड स्पीकर के माध्यम से लोगों को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव को लेकर सावधानी बरतने की जानकारी दे रही है।



रविवार को गुदूसाई गांव में ग्रामीणों को जागरूक करते संस्था के सदस्य।

इसके अलावा प्रदान संस्था व पोड़ाहाट महिला महासंघ सोनुवा के कई सदस्य गांव-गांव में जाकर ग्रामीणों को कोरोना वायरस संक्रमण से बचने के लिए साबुन से हाथ धोने, एक दूसरे से

सामाजिक दूरी बनाने, स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर अस्पताल जाने, बाहर से गांव में आये लोगों की जानकारी प्रशासन को देने संबंधी बातों की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को जागरूक कर रहे हैं।

ढाई सौ से अधिक परिवारों को बांटा राशन



करंजिया। जरूरतमंदों को फिट का वितरण करती संस्था की प्रतिनिधि। • नई दुनिया

डिंडौर के करंजिया (नई दुनिया न्यूज)।

कोरोना वायरस को रोकथाम के लिए पूरा देश 21 दिनों के लॉकडाउन से गुजर रहा है। लॉकडाउन का असर ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है। ऐसे में प्रदान स्वयं सेवी संस्था द्वारा करंजिया विकासखंड के पंचायतों में अस्हायों, रोज कमरे खाने वाले दिहाड़ी मजदूरों, निशक्तों, एकल महिलाओं, पुरुषों, विधवाओं सहित अन्य वंचित वर्ग के लोगों के बीच खाद्यान्न सामग्री का वितरण किया गया। जनपद पंचायत व तहसीलदार के सहयोग से अब तक प्रखंड के 26 ग्रामों में 250 से अधिक परिवारों को खाद्यान्न

फिट व मास्क का वितरण किया गया। संस्था द्वारा जनपद पंचायत की सहायता से प्रखंड की 50 पंचायतों में 600 परिवारों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है।

फिट बनाकर किया जा रहा वितरण: लॉकडाउन के दौरान ऐसे कई जरूरतमंद जोमजदूरी व पलायन के भरोसे गुजारा करते थे, वे अब बेहद तनाव की स्थिति से गुजर रहे हैं। कई प्रवासी मजदूर अपने गांव लौट आए हैं और अवगांव में भी रोजगार नहीं है। संस्था द्वारा सभी पंचायतों में असाहाय परिवारों का चयन किया गया है, जिन्हें हर सप्ताह राहत खाद्यान्न फिट व मास्क वितरण किया जाएगा। फिट में 5

किलो चावल, 3 किलो आटा, 1 किलो दाल, 1 लीटर तेल, 1 किलो नमक, 1 किलो शक्कर, मसाले, सोयाबीन बड़ी, आलू, साबुन व मास्क शामिल है। फिट का वितरण प्रदान संस्था के प्रतिनिधि व समूह की प्रतिनिधि महिलाओं द्वारा शारीरिक दूरी का पालन करते हुए किया गया। इसके अतिरिक्त संस्था ग्रामों में कोरोना संबंधित आवश्यक जानकारी का दीवार लेखन, हाथ धोने का प्रशिक्षण, सार्वजनिक स्थलों जैसे नल, कूप, कुआं, राशन कुकन, चक्की आदि के सामने गोले बनाकर जागरूक करने का काम भी कर रही है।



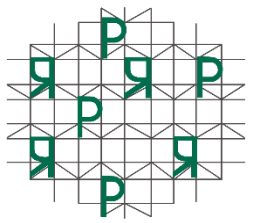
7/14



जरूरतमंदों में खाद्य सामग्री का वितरण



चक्रधरपुर. चक्रधरपुर प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले गांव के अति गरीब परिवारों को लॉकडाउन में खाने के आपूर्ति के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं प्रदान संस्था के संयुक्त तत्वावधान में लोगों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। जिसका शुभारंभ बीडीओ राम नारायण सिंह ने हरी झंडी दिखा कर फूड फिट वाहनों को रवाना कर दिया। फूड फिट में चावल, दाल, आलू, तेल, नमक, हल्दी, साबुन लोगों को दिया गया। इस दौरान बीडीओ श्री सिंह ने कहा कि आने वाले सप्ताह में हर दिन इस तरह फूड फिट चक्रधरपुर, बंदागांव व सोनुआ प्रखंड के अति गरीब परिवारों तक राशन पहुंचाने का कार्य चलेगा। इस कार्य में मुखिया, मुंडा भरपूर सहयोग कर रहे हैं। मौके पर प्रखंड कार्यालय के कर्मचारी व प्रदान संस्था के सदस्य शामिल थे।



Tackling COVID-19: PRADAN in News (2/4)

प्रदान संस्था द्वारा लैलूंगा अस्पताल को दिया गया सैनेटाइजर, मास्क एवं ग्लब्स

टाइमडू @किरगढ़
कोविड 19 के संक्रमण से बचाव के लिए प्रदान संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में भी जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। कोरोना फाईटर्स लैलूंगा अस्पताल के बीएमओ एस एन उपाध्यक्ष सहित समस्त स्टाफ के समस्त प्रदान संस्था, लैलूंगा से रोकथाम एका एवं सुजाता एका ने मास्क 300 नग, ग्लब्स 300 नग एवं सैनेटाइजर 300 नग लैलूंगा अस्पताल को भेंट किया। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी अभिषेक गुप्ता सहित डॉक्टर धरम लाल पैकड़ा, बीपीएन अश्विनी साय, डॉक्टर लखन पटेल, लेव टेक्नीशियन यशपाल भागत एवं समस्त स्टाफ



कार्यालय में कार्यरत स्टाफ एवं मनरेग विभाग में लकड़ीकी सहायकों को भी सैनेटाइजर एवं अन्य सखा सामग्री उपलब्ध कराई गई है। ज्ञात हो कि लैलूंगा विकासखण्ड में लोकडायन के बाद से ही प्रदान संस्था के द्वारा जनपद पंचायत, लैलूंगा एवं पंचायत स्तर पर सरपंच एवं बिहान योजना से जुड़े समुदायिक संवर्ग के साथ मिल कर अलंत गरीब परिवार, एकल महिला, दिव्यांगजन, परिवारता एवं अन्य ज़रूरतमंद परिवारों को चिह्नित किया गया एवं ऐसे 3060 परिवारों में राशन सामग्री वितरण की गई है। साथ ही गांव स्तर पर विहान योजना के माध्यम से एवं प्रदान संस्था की मदद से 16 बोसी सखी लोगों को घर पहुंच बॉकिंग सुविधा उपलब्ध करा रही है जिससे कि लोगों को सभी प्रकार के पेंशन, मनरेग मजदूरी, केंद्र सरकार की योजनाओं से मिल रहे लाभ इत्यादि लेने में आसानी हो रही है। इसके अलावा विहान योजना से जुड़ी महिला समूह को सदस्याएं मास्क तैयार कर न्यूनतम दर पर इनके में उपलब्ध करा रही है जिससे मास्क की कमी को भी पूरा किया जा रहा है।

11:07

कोरोना वारियर्स की मदद के लिए आगे आया प्रदान संस्था, मुहैया करा रहा प्रोटेक्शन किट



Share this on WhatsApp

रामगोपाल जैना

चक्रधरपुर: प्रखण्ड विकास पदाधिकारी चक्रधरपुर के नेतृत्व में प्रदान संस्था ने COVID 19 से बचाव के लिए प्रोटेक्शन किट यानी मास्क, हैंड ग्लव्स, हेयर कवर, सैनिटाइजर और पी पी ई कीट के द्वारा फ्रंटलाइन बिभाग यानी अनुमंडल प्रशासन, हॉस्पिटल वर्कर, पुलिस ऑफिसर एंड ग्राउंड फोर्स को सहायता की है। प्रदान संस्था प्रखंड के दिशा निर्देश के अनुसार गांव गांव में पंचायत प्रतिनिधि के साथ मिलकर गरीब परिवारों को इस लॉक डाउन में कोरोना से बचाव के लिए सूखा राशन पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं। जागरूकता कार्यक्रम गांव गांव में पन्हुचाने के लिए सभी प्रखंड में माइक तथा फ्लेक्स के साथ दो दो ऑटो 4 अप्रैल से लगातार कार्यरत है।

प्रदान संस्था पश्चिमी सिंहभूम जिला के बंदगांव, सोनुआ, चक्रधरपुर, टोंटो, हटगम्हरिया प्रखंड में लगभग 200 गांव में कुल 500 N-95 मास्क, 25000 सर्जिकल मास्क, 500 ग्लव्स, 500 हेयर कवर, 20 पी पी ई कीट, 300 लीटर हैंड सैनिटाइजर, 15000 साबुन तथा 4300 अति गरीब परिवार को सूखा राशन किट जैसे चावल, आलू, दाल, सरसो तेल, हल्दी, नमक इत्यादि के द्वारा सहयोग कर रही है। इस प्रयास के लिए संस्था ने अजीम प्रेमजी फिलंथरोपिक इनीशियेटिव (APPI) से वित्तीय सहायता लिया है। इस अवसर पर प्रदान के पदाधिकारी मौजूद थे जिसमें तारक नाथ दास, शहाबुद्दीन, दीपशिखा, अर्जुन, संजीव साहु।

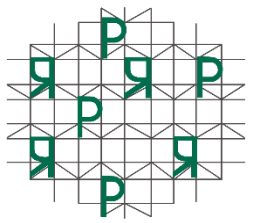
कोरोना से लड़ने हेतु सामाजिक संस्था -प्रदान बटा रही है हाथ

आबूरोड। कोरोना एक महामारी ही नहीं, एक युद्ध है। सभी सामाजिक अंग एवं नागरिक इस महामारी से लड़ने का प्रयास कर रहे हैं। सिरौही जिले के आबूरोड और पिण्डवाड़ा प्रखंड में स्थित प्रदान संस्था भी अपना हाथ बटा रही है। सामाजिक स्तरपर काम कर रहे आरोग्यकर्मियों की सुरक्षा हेतु कार्य करने फैसला प्रदान संस्था द्वारा किया गया। अतः आबूरोड और पिण्डवाड़ा प्रखंड में प्रदान संस्था एवं राजिविका द्वारा संचालित करीब करीब 1500से %यादा महिला समूह के प्रतिनिधियों से बात कर आरोग्य कर्मियों की सुरक्षा हेतु मास्क और सैनिटाइजर उपलब्ध करने का निर्णय लिया गया। आबूरोड प्रखंड के मोरथला गांव केजहेरा बाई जो नारीशक्ति महिला संघ की अध्यक्ष हैं, उन्होंने मास्क बनाने की जिम्मेदारी ली। महिला समूह से जुड़ी महिलाओं की मदद से 2000 मास्क बनाने का सकल्प किया गया। इस कार्य को आगे बढ़ाते हुए दोनों प्रखंड के पंचायत समिति कार्यालय को 1000 मास्क



एवं 300 सैनिटाइजर की प्रथम किश्त उपलब्ध करवाई गयी। मास्क एवं सैनेटाइजर उपलब्धता हेतु आर्थिक सहायता प्रदान संस्था के कार्यकर्ता द्वारा एकत्रित की गयी राशि से की गयी। मोरथला गांव की महिलाएं अब मास्क और सैनिटाइजर दूसरी किश्त की तैयारी में जुटी हुई हैं। प्रदान संस्था दोनों प्रखंड के पंचायत समिति कार्यालय से बातचीत कर गांवों में स्थित एकल महिला, बुजुर्ग परिवार, निराधार और अपाहिज व्यक्ति को राशन की लागत को पूरी करने के प्रयास में जुटी हुई हैं एवं गांव

विविध माध्यमों की मदद से संपर्क कर गांवों के परिवारों स्थिति जानने में पंचायत समिति की भी मदद कर रही हैं। प्रदान संस्था पिछले 11 साल से सिरौही जिले के आबूरोड और पिण्डवाड़ा प्रखंड में आदिवासी परिवारों के साथ आजीविका सुधार हेतु खेती एवं पशुपालन क्षेत्र में आधुनिक पद्धति की जानकारी देकर परिवारों की आय बढ़ाने हेतु संस्था पदाधिकारी बिनोद राज दहल, अनिफ खान, बिपिन बिहारी एवं समस्त कार्यकर्ताओं के सहयोग से कार्य कर रही है।



Tackling COVID-19: PRADAN in News (4/4)

एनजीओ वोलेंटियर्स देंगे प्रशासन को मदद



स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ बैठक करते डीडीसी.

संवाददाता ▸ दुमका

उप विकास आयुक्त शेखर जमुआर की अध्यक्षता में जिले में संचालित विभिन्न स्वयंसेवी संस्था के संचालकों के साथ बैठक की गयी. बैठक को संबोधित करते हुए श्री जमुआर ने कहा कि कोरोना वायरस किस संक्रमण का प्रसार नहीं हो इसे ध्यान में रखते हुए पूरे जिले में लॉकडाउन किया गया है. इस दौरान लोगों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो इसका पूरा ख्याल जिला प्रशासन द्वारा रखा जा रहा है. उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी संस्था से इस विकट परिस्थिति में जिला प्रशासन को

कई अपेक्षाएं हैं. इस विकट परिस्थिति में हम सभी को साथ मिलकर कार्य करने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आपके संस्था के वोलेंटियर उपलब्ध हैं. अपने अपने संस्था के वोलेंटियर की सूची जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएं, ताकि विपरीत परिस्थिति में उनका सहयोग लिया जा सके. उप विकास आयुक्त ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने के लिए अगर किसी प्रकार की सरकारी पत्र की आवश्यकता होती है तो वह उन्हें दे दी जायेगी, ताकि कार्य करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो. इस बैठक में कुल 25 स्वयंसेवी संस्था

के लोग उपस्थित थे. सभी संस्थाओं से समन्वय स्थापित करने के लिए प्रधान संस्था को नोडल संस्था के रूप में बनाया गया तथा नोडल ऑफिसर डीएसओ दुमका को बनाया गया है. इस दौरान विभिन्न स्वयंसेवी संस्था के प्रतिनिधियों ने कहा कि हम पूरी तरह से जिला प्रशासन का सहयोग करेंगे आवश्यकता पड़ने पर लोगों के बीच राशन एवं मास्क का भी वितरण करने का प्रयास करेंगे. बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी अल्बर्ट विलुंग, जिला योजना पदाधिकारी अरुण कुमार द्विवेदी, एडीएफ दुमका शुभम सिंह उपस्थित थे.

कामडारा में जागरूकता रथ किया गया रवाना

कामडारा। कामडारा ब्लॉक परिसर से शनिवार को पूरे प्रखंड के गांव, टोला व मुहल्लों में लोगों के बीच कोरोना वायरस के प्रति जागरूकता लाने को पांच जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। जागरूक रथ को बीडीओ पवन महतो, सीओ दीप्ति कुजुर और प्रदान के अंकित ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। कामडारा प्रखंड में प्रदान कोरोना वायरस और गरीब, जरूरत मंद, वंचित कोई भूखा न सोए इसके लिए पूर्णतया सजग है। और प्रखंड प्रशासन को भी भरपूर सहयोग कर रही है।

आइसोलेशन सेंटर व दाल-भात केंद्र का निरीक्षण

कैरो। उपायुक्त आकांक्षा रंजन ने चार अप्रैल को कैरो प्रखण्ड का दौरा कर कोरोना महामारी से नियंत्रण संबंधी कई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रखण्ड में कई जगह बने आइसोलेशन सेंटर को देखा। इसके अलावा मुख्यमंत्री दाल भात योजना के संचालन की जानकारी ली। अंचलाधिकारी रूबी कुमारी से जरूरतमंद गरीब, असहाय, विधवा, वृद्धा, विधवा, दिव्यांग को निशुल्क भोजन सामग्री वितरण संबंधी जानकारी ली। उपायुक्त ने बीडीओ मनोज कुमार से कहा कि पूरे प्रखण्ड क्षेत्र में लॉकडाउन का पालन कराने में सख्ती बरतें।

अजीम प्रेमजी परोपकारी पहल की वित्तीय सहायता

प्रदान के तत्वावधान में पांच कोरोना जागरूकता रथ रवाना



जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखा कर रवाना करते बीडीओ व अन्य

बसिया(गुमला) : स्वयंसेवी संस्था प्रदान द्वारा शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित कार्यालय से पूरे प्रखंड के गांव, टोला एवं मुहल्लों में नोबेल कोरोना वायरस के संक्रमण के प्रति जागरूकता लाने हेतु पांच कोरोना जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। इस जागरूक रथ को बसिया प्रखंड विकास पदाधिकारी रवीन्द्र कुमार गुप्ता, अंचलअधिकारी संतोष बैठा एवं प्रदान संस्था के मो. मेराज के द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया।

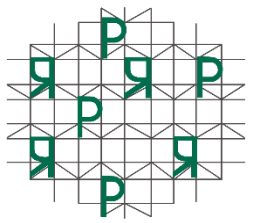
जागरूकता रथ प्रखंड के सुदूरवर्ती गांवों में लोगों को कोरोना के प्रति

ध्वनि यंत्र से जागरूक करेंगे। ज्ञात हो कि प्रदान संस्था कोरोना वायरस एवं गरीब, जरूरत मंद, वंचित कोई भूखा न सोए इसके लिए पूर्णतया सजग है तथा इस मुहिम पर प्रखंड प्रशासन को भी अपना भरपूर सहयोग कर रही है। इस संबंध में प्रदान संस्था के मो. मेराज ने बताया कि प्रदान संस्था के तत्वावधान में अजीम प्रेमजी परोपकारी पहल की वित्तीय सहायता से जागरूकता रथ के साथ साथ लॉकडाउन तक सभी मुखिया को एक एक ओटो की व्यवस्था की जायेगी। ताकि बाहर से आए लोगों को अस्पताल, कोरेन्टाइन सेंटर भेजा जा सके।



जागरूकता रथ

राशन गरीब जरूरतमंद लोगों तक पहुंच सके। वहीं लॉकडाउन के दौरान किसी भी जरूरत पर मुखिया प्रखंड कार्यालय तक आ सके। प्रदान संस्था द्वारा 1200 खाने का किट गरीब वंचित परिवार को आबंटित करेंगे। 200 कार्यकर्ता को प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। संस्था द्वारा सभी कोरेन्टाइन सेंटर में खाने की व्यवस्था की जायेगी पांच हजार मास्क का भी वितरण किया जाएगा एवं एनएम, मुखिया, प्रदान एवं प्रखंड प्रशासन के लिए सी सुरक्षा किट विध 295 मास्क इत्यादि दे कर जल्द ही संस्था द्वारा प्रशासन का सहयोग किया जाएगा। इस संबंध में बीडीओ रविन्द्र कुमार गुप्ता से बताया कि प्रदान संस्था द्वारा प्रशासन का काफी सहयोग किया जा रहा है। हमारे पास संसाधन की कमी थी। प्रदान के माध्यम से जागरूकता रथ दिए जाने से राशन वितरण से ले कर अन्य कार्यों में भी सहयोग मिलेगा। प्रदान एवं महिला विकास मंडल के माध्यम से महिला मंडल से जुड़ी दीर्घियों का भी सहयोग मिलेगा। इस मौके पर बीपीएम विपिन सिंह, प्रदान संस्था के मेराज, खुदीराम, मनीष, अटल, महिला विकास मंडल से विनोद, महादेव, नवीन, शशि आदि प्रमुख लोग उपस्थित थे।



Tackling COVID-19: Snippets from Jharkhand

In collaboration with government and administration, PRADAN is working tirelessly for: welfare of vulnerable communities across rural remote pockets of India; to tackle COVID-19 pandemic; and ensure that everyone remains healthy and no one sleeps on an empty stomach



Awareness generation with Federation Leaders around CORONA, its effect and Care to be taken..... There was some video show, discussion, picture show and practice hand wash regularly.....

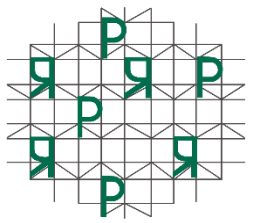


Distribution of some amount of ration to the selected families (Selected by federation leaders looking at vulnerability condition). In this we are giving 15kg Rice, 1kg Pulse, 1kg Salt, 500ml Mustard Oil, 50gm Turmeric Powder and Soap for hand wash.



Awareness generation in village level around CORONA, its effect and Care to be taken..... There was some discussion, picture show and practice hand wash regularly.....





Tackling COVID-19: Snippets from Various PRADAN Locations (1/2)



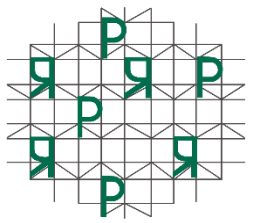
‘Sarai’ leaf masks
(Bastar, Chhattisgarh)



Online Collaboration
(Basia, Jharkhand)



Making Reusable Masks
(Bastar, Chhattisgarh)



Tackling COVID-19: Snippets from Various PRADAN Locations (2/2)



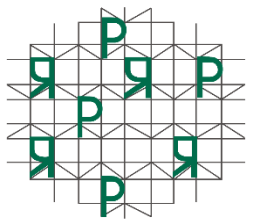
Herbal sanitizer making
(Narayanganj, MP)



Quarantine Home at GP Level
(Dhamtari, Chhattisgarh)



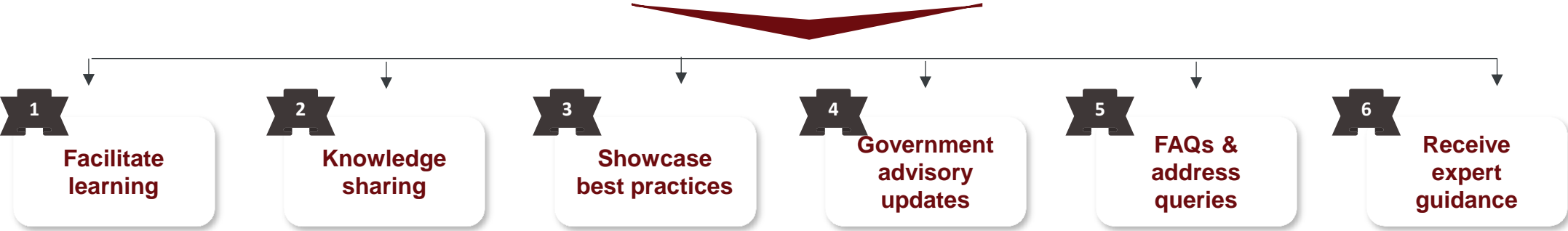
Mask-making & distribution
(Narayanganj, MP)



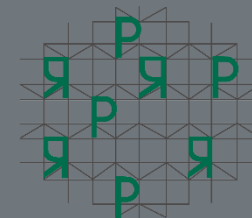
Tackling COVID-19: Knowledge Platform ‘Sampark.Net’

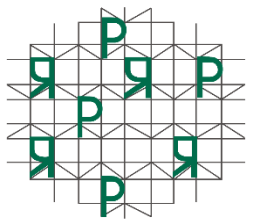
In these unprecedented times, we’re in dire need to come together, collaborate, and join forces to defeat the COVID-19 pandemic

To tackle the COVID-19 crisis in a holistic and collaborative manner, PRADAN has set-up a ‘Knowledge Exchange Platform’ as a one-stop-solution for information updates, collaboration, queries, and expert opinion



PRADAN's Planned Strategic Interventions & Recommendations

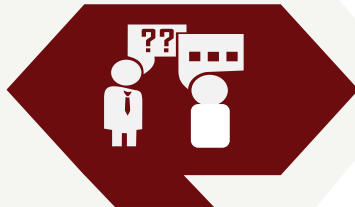




Ongoing & Foreseeable Crisis in Remote Rural Regions

As the COVID-19 crisis continues, PRADAN, in capacity of a civil society working across remote rural areas supporting the most vulnerable, witnesses and foresees some tough challenges

Most marginalised, daily wage earners, unorganised labour class, agricultural labourers and those at the fringes of our society have been and will continue to be disproportionately affected



The farming community is running low on food stock and there is a huge erosion of whatever meagre savings they had

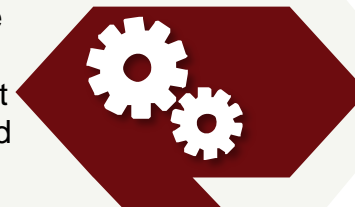


Millions of daily wage labourers and unsalaried workers in our towns and cities have made their way back home while many more remain stranded across the country



As migrant labourers return home with no cash/savings, village communities are stressed owing to loss of remittances contributed by the migrant member, meanwhile adding more mouths to feed

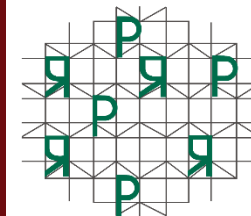
There is an absolute collapse of the rural economy, crops are not being harvested or if harvested are sold at throwaway prices as local haats and mandis are not functional



Farmers are feeling the desperation as they are running out of capital for seeds, fertiliser's and other inputs to sow the next batch of crops in ensuing Kharif season



PRADAN's Planned Strategic Interventions to Tackle COVID-19 Crisis



1 Facilitate and augment the functioning of already existing Public Systems (e.g. PDS, Linkage with Jan Dhan A/Cs, etc.)



2 Expedite relief work provisions through MGNREGS funds, and advocacy for enhancement of work days from 100 to 150 days/HH



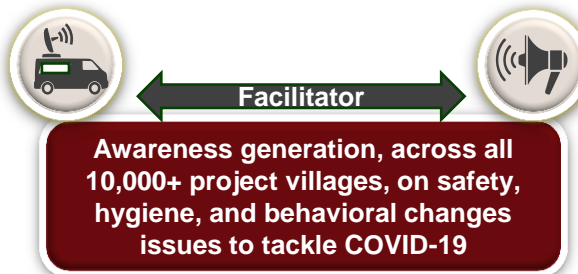
3 Enumerate migrant labourers, map skill set, and facilitate their return to previous work-sectors/ or groom 10,000 youths for self employment



4 Promote 5,000 Agri-entrepreneurs (AEs) who would assist and provide various support services to farmers



5 Assist ~2,50,000 farmers adopt sustainable eco-friendly agriculture practices, while balancing intensive chemical-based agriculture needs



think big
new imagination
teamwork
risk inspiring
creative business
communication solution
performance planning works
key innovate
ideas concept
brainstorm plan
strategy success
global process
out of the box excellence
reward
leadership
efficiency
workflow
information marketing best
organization network social
research analysis green
advertising positive vision
development refresh ads
goals



6 Enable 100 FPOs to provide capital and input including seeds, fertilisers, etc. to 4,00,000 SMFs for Kharif cropping



7 Facilitate income generation and ensure better nutrition through backyard poultry and goat rearing, for 1,00,000 families



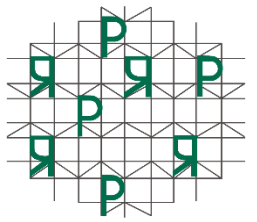
8 Promote 100 farm produce pick-up/sell vehicle support centres called 'Veggies-on-Wheels', thus creating localized supply chain



9 Support 1,00,000 most vulnerable families to set up their kitchen gardens and access nutritious food like vegetables, in their regular diet



10 Promote Non-Timber Forest Produce (NTFP) e.g. mahua, kendu leaves, etc., as key source of tribal communities' livelihoods

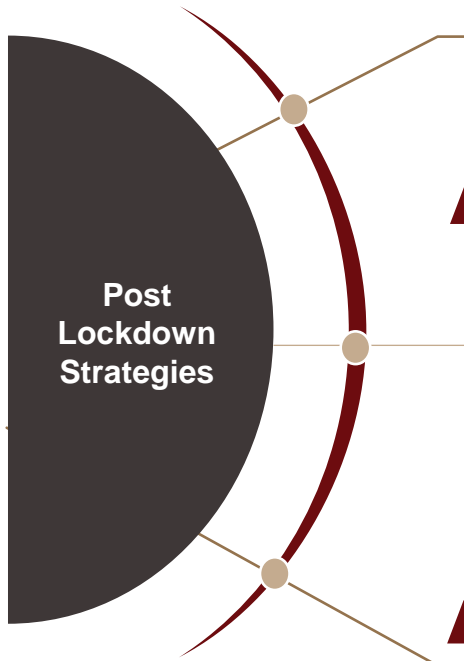


PRADAN's Planned Strategic Interventions (1/4)

PRADAN, with its direct presence in 10,000 villages across seven Indian states and >500 professionals engaged in the grass-roots, is in a unique position to facilitate the revival of agriculture and allied sectors

PRADAN

Planned Interventions



1 Strengthening Public System

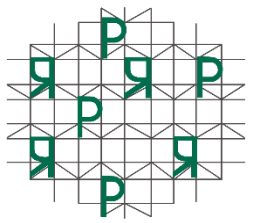
Activating and strengthening the Public systems so that the slew of relief measures announced by the government reaches the neediest and deserving. This would entail mapping all families who do not have Ration cards, Jan-Dhan accounts, MGNREGS Job cards and other such documentation to avail state benefits. Families who are still left out of such Safety Measures net would need to be provided dry ration kits.

2 Relief Work Facilitation

Facilitating provision of relief work through MGNREGS and advocacy for enhancement of days of work from 100 days to 150 days per household. The Gram Sabhas need to be supported to draw up plans for works that can be done maintaining social distancing and other safety measures. Supporting the administration to use MGNREGS funds for creating assets like plantations, horticulture, water-harvesting structures, installing renewable energy-based irrigation systems, land treatment measures, etc. which can provide immediate cash incomes as well as improve livelihoods in the medium and long-term. Public investments may still be inadequate for carrying out such activities and we would need to explore other financial instruments and private capital to invest on such natural resource management measures which also helps to mitigate challenges of climate change and enhancement of the carrying capacity of the local area. All these measures if undertaken would arrest soil erosion, recharge the shallow aquifers, increase green cover, increase cropping intensity and diversity.

3 Promoting Sustainable Agriculture

PRADAN would need to work with farmers with a new paradigm. We would need to balance the need of immediate farm incomes by intensive chemical-based agriculture and on the other hand the need for adopting sustainable eco-friendly agriculture practices. We have experiences of both and we can help our farmers to move towards adopting eco-friendly agriculture. We would like to work with 2,50,000 farmers over the next few years so that we can have some impact at a scale.



PRADAN's Planned Strategic Interventions (2/4)

As PRADAN engages in the immediate issues, we are already preparing to address the challenges post lockdown phase and would require partnerships with many more stakeholders, especially the corporate sector

PRADAN

Planned Interventions

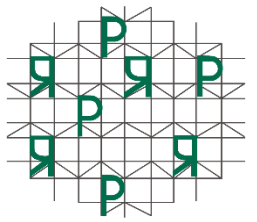


4 Facilitating Employment

Enumeration of all migrant labourers who have returned home, mapping them to industries and sectors in which they had been previously employed and their skill sets. PRADAN can facilitate those who are willing to return to their place of employment by re-activating the agent networks that take the migrant workers to work sites in the cities and towns. Those who do not want to return have to be given alternative livelihood options in the local area. We understand that some amongst this category of migrant labourers, because of exposure, would be keener to explore self-employment opportunities. PRADAN plans to groom and promote 10,000 such youth as Entrepreneurs or Self-employed (YSE). We would support each YSE with developing their business plans and necessary linkages for setting up their business. The project can provide some support as Working capital or setup costs of the business, while the rest would be mobilized from commercial banks.

5 FPOs for Support

With the loss of income and erosion of savings, Small and Marginal Farmers (SMFs), would not have sufficient capital to invest in the coming Kharif season. The Farmer Producer Organizations (FPOs) or some such organized Farmer groups can play the role of providing inputs like seeds, fertilizers, ploughing and other land preparation services to start the Kharif crops. PRADAN plans to support 100 such FPOs through provisioning of working capital of around INR 30 Lakh to each FPO's as grant support from the project. The 100 FPO's would support around 4,00,000 SMFs through providing such inputs and services on credit. The FPO's would support the SMFs to avail KCC and other credit facilities also. These Agriculture Production Clusters would serve as the growth nucleus and help to create an eco-system which can provide all necessary services to the farmer. For the coming years, the focus would be on cultivation of cereals, oilseeds and pulses to ensure food security at the household level as well as contributing to the national food security. This would also minimize the risks associated with growing perishables due to the broken and disrupted value-chains. The FPO's can play an important role in mending the value chain and provide some market assurance to its farmers.

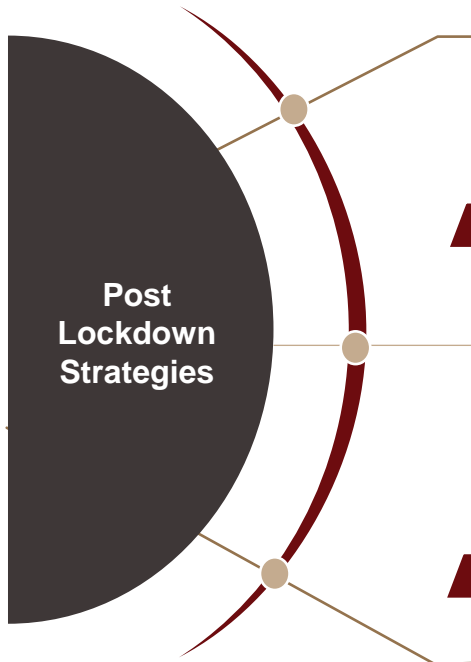


PRADAN's Planned Strategic Interventions (3/4)

As strategic interventions, PRADAN is charting out course to ensure income, food security, employment, and safety from COVID-19 for the vulnerable communities living across remote rural pockets of India

PRADAN

Planned Interventions



6 Livestock for Income

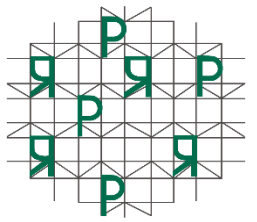
As livestock is an important activity in the livelihood basket of poor rural families, PRADAN would facilitate backyard poultry and goat rearing with provisions for improvement on sheds, vaccines and other support. The project can support 2,000 Goat/Poultry Users Groups, which could be formed at the village level supporting 1,00,000 families. This would not be a new goat induction model, but building on the existing animals' farmers are having and helping them to increase herd or flock size to a commercial scale.

7 Veggies-on-Wheels

As mobility in general and inter-state and inter-district travel and transportation would be curtailed, farmers would be adversely affected as local haats and mandis would not be fully functional. The impact would be mostly for perishable items like vegetables and fruits, both in terms of volume uptake of commodities as well as wholesale prices. We thus have to move towards shorter and more localized supply chains. We have to bring in grant investments for creating sorting, grading and storage facilities in the sub-districts. We plan to promote 100 farm produce pick-up and selling to final consumer vehicle support centres called 'Veggies-on-Wheels'. All these facilities can be managed and operated by the FPO's on a service-charge basis for commercial viability and sustainability.

8 Agri-entrepreneurs

PRADAN would promote 5,000 Agri-entrepreneurs (AEs) who would provide various services like custom-hiring centres for small farm implements, providing vegetable seedlings, para-vet services for small ruminants and poultry, and marketing services to the farmers of various commodities. Some of them would also produce organic manure and plant protection products to be sold to the SMFs to reduce their dependence on chemical fertilizers and pesticides and reduce investments.

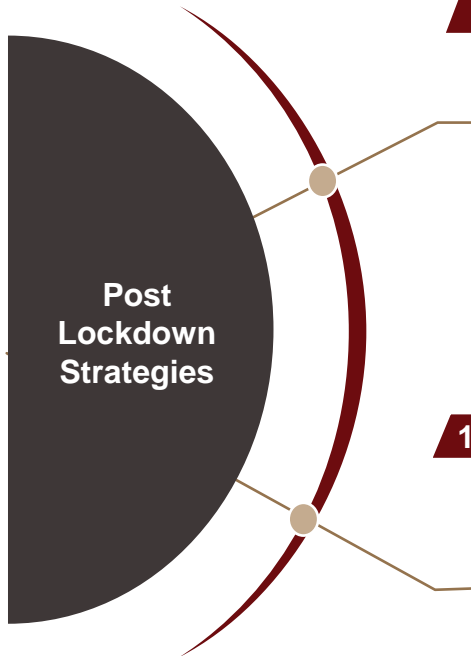


PRADAN's Planned Strategic Interventions (4/4)

In fight to tackle COVID-19, PRADAN is tirelessly working towards the betterment of the rural poor, tribals, and migrant workers, while figuring out innovative methods to generate income and grow veggies in the backyard

PRADAN

Planned Interventions



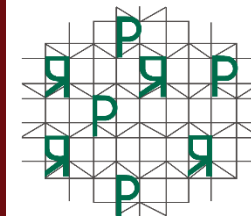
9 Non-Timber Forest Produce

As in many of our project areas with a sizeable population of tribal who are dependent on forests for their livelihoods, Non-Timber Forest Produce (NTFP), e.g. Mahua, Kendu Leaves, is an important component in their livelihood basket. There are schemes under TRIFED for MSP of forest produce (Pradhan Mantri Vandhan Yojana) however, the access is not very smooth due to information deficit and other issues. The Village Organizations or similar collectives formed by SHGs could be supported for aggregation and produce selling to the TRIFED channels so that forest produce gatherers have better and fair price realization.

10 Kitchen Gardens

As food stocks dwindle, the nutrition status of households would be adversely impacted, especially of women, adolescent girls, small and young children. To ensure that every family has access to nutritious food like vegetables in their regular diet, vulnerable families would need to be supported to set up their kitchen gardens. We plan to support 1,00,000 most vulnerable families to set up their kitchen gardens by providing inputs and training support. The SMFs would be also provided training and on-field support to adopt more diversified cropping systems and shift from mono-cropped cereal cultivation to adoption of millets, pulses, oilseeds and vegetable crops for increasing incomes and ensuring families have adequate dietary diversity.

PRADAN's Recommendations



PRADAN has substantial experience of working with government, state, & local administration. Basis that, we would like to put forward a few suggestions/opinions/thoughts for seamless coordination and collaboration



Develop Block - District work plans for post-lockdown phase for reviving livelihood activities and create public health awareness- proposing concrete actions ideas and plans to take forward keeping both short term and long-term horizon. PRADAN has the experience and expertise to assist the State, District and Block administration to develop such intervention plans or road maps

Form a District and Block level coordination committee with NGOs also included as members for information sharing, joint planning and on-ground action



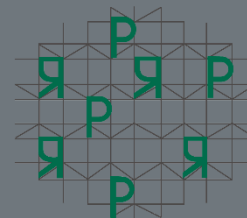
Make an attempt to calculate evidence-based impact this pandemic is having in regional context and draft a set of policy measures

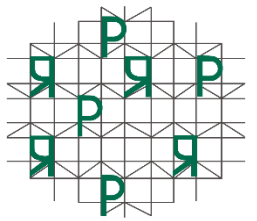
Permit for Farmer Producer Groups to transport & sell perishable agriculture produce within and across districts, so that the rural poor farmers have means to generate some cash income



Facilitate means to spread awareness at large scale and ensure availability of essentials including ration/food material PPE, sanitizers, masks, etc. across remote rural pockets of India

Appendix

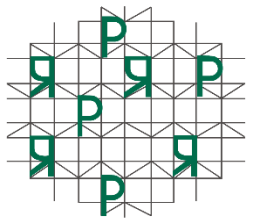




PRADAN's Convergence for Tackling COVID-19 (1/3)

State	Collaboration with Government Officers/Local Administration
Bihar	<ul style="list-style-type: none"> - BDO, OSD, DM and DAO (Chandan, Banka, Bihar) - BDO, OSD, DM and DAO, Aspirational District Fellow (Katoria, Banka, Bihar) - Collector, BDO, BRLPS, CSR, Police (Chakai, Jamui, Bihar) - Collector, Tehsildar, Janpad CEO, GRS, Police (Nardiganj & Narhat, Nawada, Bihar) - Collector, Tehsildar, Janpad CEO, GRS, Police (Kishanganj, Kishanganj, Bihar)
Chhattisgarh	<ul style="list-style-type: none"> - Janpad, Zilla Panchayat, PRI, Health Dept. (Darbha, Bastar, Chhattisgarh) - Janpad and Zila CEO, SDM, ADEO (Nagri, Dhamtari, Chhattisgarh) - Collector, Tehsildar, ADF Fellow (Naharpur, Dhamtari, Chhattisgarh) - Janpad CEO, SDM, ADEO (Lailunga, Raigarh, Chhattisgarh) - Janpad CEO, Tahsildar, ADEO, Sarpanch and Sachiv, CSR (Tammnar, Raigarh, Chhattisgarh) - ZP CEO, Janpad CEO, SDM, Police, ADEO, Sarpanch and Sachiv (Raigarh, Raigarh, Chhattisgarh) - ZP CEO, Janpad CEO, SDM DFO, Police, Food Inspector, ADEO, DO, ADF, Tahsildar, Sarpanch and Sachiv (Bhanupratappur, Kanker, Chhattisgarh)
Jharkhand	<ul style="list-style-type: none"> - BDO, DDC, SDO (Peterbar, Bokaro, Jharkhand) - BDO, CO, SDO, DDC (Jaridih & Kasmar, Bokaro, Jharkhand) - BDO, DDC, DC (Gopikander & Kathikund, Dumka, Jharkhand) - DC, DDC and BDO (Shikaripara & Dumka, Dumka, Jharkhand) - DC cum DDC, DTO, SDO, DPRO, DPRIO, BDO (Godda & Sundarpahari & Pathargama & Boarijore, Godda, Jharkhand) - DC cum DDC, SDO, BDO, DTO, DPRO, DPRIO (Poraiyahat, Godda, Jharkhand) - DC, Gumla; DPRO, Gumla; BDO, Gumla; BDO, Raidih; Officer in charge of Gumla for COVID 19; ADF; DAO, DHO Gumla (Gumla & Raidih, Gumla, Jharkhand) - BDO (Ghagra & Kamdara & Palkot, Gumla, Jharkhand)

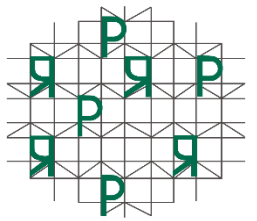
**Data as of April 9, 2020*



PRADAN's Convergence for Tackling COVID-19 (2/3)

State	Collaboration with Government Officers/Local Administration
Jharkhand	<ul style="list-style-type: none"> - SDO, BDO (Basia, Gumla, Jharkhand) - DC, DDC, SDO, BDO (Churchu, Hazaribagh, Jharkhand) - DC, DDC, SDO, BDO (Tatijharia & Daru & Koderma & Padma & Barhi & Jainagar & Chouparan & Chandwara, Koderma, Jharkhand) - BDO, Panchayat Samiti Pramukh (Erki, Khunti, Jharkhand) - BDO, Mukhiya, BSO (Murhu, Khunti, Jharkhand) - BDO, BPO, Pramukh (Khunti, Khunti, Jharkhand) - DC,SDM,ITDA Director, AC, BDO,PRI Members (Torpa, Khunti, Jharkhand) - DC, DPO, SDO, BDO, BPO, Pramukh, Mukhiya (Kisko, Lohardaga, Jharkhand) - DC, DPO, SDO, BDO, BPO, Pramukh, Mukhiya (Kuru & Senha, Lohardaga, Jharkhand) - DDC, BDO, Mukhiya (Bandgaon & Chakradharpur & Sonua, Paschimi Singbhum, Jharkhand) - BDO, BPO, Mukhiya (Jhinkpani & Hatgamaria & Tonto; Paschimi Singbhum, Jharkhand) - BDO, Panchayat Representatives (Gola, Ramgarh, Jharkhand)
Madhya Pradesh	<ul style="list-style-type: none"> - District Collector, CEO - Zila Panchayat. (Shahpur & Betul & Ghoradoongri, Betul, MP) - CEO ZP, CEO JP and NRLM team (Kesla, Hoshangabad, MP) - Collector, Tahsildar, CEO JP and Gram Panchayat functionaries of all GPs (Samnapur, Dindori, MP) - Janpad CEO, Tehsildar, Vendors, CRPs (Karanjia, Dindori, MP) - Collector, Tehsildar, Janpad CEO, GRS, Police (Amarpur, Dindori, MP) - CEO ZP, SDM, CEO JP, NRLM Team and Gram Panchayat functionaries (Mohgaon & Ghugri, Mandala, MP) - Collector, CEO-ZP,SDM (Jaisinghnagar & Gohparu, Shahdol, MP) - SRLM. Janpad CEO (Sihawal, Sidhi, MP) - Collector CEO-ZP, Tahsildar (Deosar & Waidhan, Singrauli, MP) - DM, SDM, CEO ZP, CEO Janpad, GPs (Deosar, Singrauli, MP)

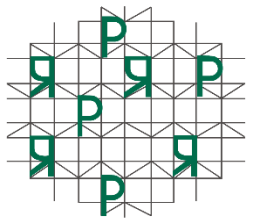
**Data as of April 9, 2020*



PRADAN's Convergence for Tackling COVID-19 (3/3)

State	Collaboration with Government Officers/Local Administration
Odisha	<ul style="list-style-type: none"> - ADM, BDO, Tahsildar, DPM, BPM, BLC (Balliguda, Kandhamal, Odisha) - Tahsildar, BDO, APO, DPM, BPM (K.Nuagaon, Kandhamal, Odisha) - BDO, DPM, BPM, ORMAS (Phulbani, Kandhamal, Odisha) - BLC-OLM, Telkoi block (Telkoi, Kendujhar, Odisha) - BDO, Patna block & Banspal Block, BPM, DPM OLM (Patna & Banspal, Kendujhar, Odisha) - DPM, BLC, MBK (Laxmipur, Koraput, Odisha) - BDO, DC, Block Nodal officer for COVID (AE) Sarapanchs (Nandpur, Koraput, Odisha) - District Collector, District NGO coordinator officer, BDO, Block Nodal Officer, CDPO, ICDS, Medical staff (Lamtaput, Koraput, Odisha) - Block nodal officer of COVID-19, BDO, BPM-OLM, IIC Jashipur ADH, Karanjia (Jashipur, Mayurbhanj, Odisha) - Nodal of Covid19 (Kusumi, Mayurbhanj, Odisha) - BDO, Block Nodal Officer of covid19 (Karanjia, Mayurbhanj, Odisha) - BDO, BPM, Block nodal officer (Moroda, Mayurbhanj, Odisha) - BDO, BPM, Block nodal officer, Block chairman, other NGO (Thakurmunda, Mayurbhanj, Odisha) - PD.BDO, DPM, BPM (Kolnara, Rayagada, Odisha)
Rajasthan	<ul style="list-style-type: none"> - BDO/Tahsildar (Abu Road & Pindwara, Sirohi, Rajasthan)
West Bengal	<ul style="list-style-type: none"> - BDO, SDO, Police IC (Ranibandh, Bankura, West Bengal) - District, SDO, BDO, GP, Police OC (Indpur & Hiraband, Bankura, West Bengal) - BDO, Police SI (Jhalda 1 & Jhalda-2, Puruliya, West Bengal)

**Data as of April 9, 2020*



Glossary of Terms

AC	Area Coordinator
ADEO	Additional Development Extension Officer
ADF	Aspirational District Fellows
ADM	Additional District Magistrate
ADH	Assistant Director Horticulture
AE	Assistant Engineer
BDO	Block Development Officer
BLC	Block Level Coordinator
BPO	Block Program Officer
BPM	Block Project Manager
BRLPS	Bihar Rural Livelihoods Promotion Society
CDPO	Child Development Project Officer
CEO	Chief Executive Officer
CO	Community Organizer
CRPs	Community Resource Persons
CSR	Corporate Social Responsibility
DAO	District Agriculture Officer
DC	District Collector/Commissioner
DDC	Deputy District Collector/Commissioner
DFO	District Forest Officer
DHO	District Horticulture Officer
DM	District Magistrate
DO	District Officer

DPM	District Project Manager
DPRIO	District Public Relation And Information Officer
DPRO	District Panchayati Raj Officer
DSP	Deputy Superintendent of Police
DTO	District Transport Officer
GP	Gram Panchayat
GRS	Gram Rozgar Sevak
IC	Inspector-in-Charge
ICDS	Integrated Child Development Services
ITDA	Integrated Tribal Development Agency
NGO	Non-Governmental Organization
NRLM	National Rural Livelihood Mission
PPE	Personal Protective Equipment
PRI	Panchayati Raj Institutions
OC	Officer-in-Charge
OLM	Odisha Livelihood Mission
ORMAS	Odisha Rural Development And Marketing Society
OSD	Officer on Special Duty
SDM	Sub Divisional Magistrate
SDO	Sub Divisional Officer
SI	Sub-Inspector
TI	Traffic Inspector
ZP	Zila Panchayat/Zila Parishad

**Chahey jitna lamba safar ho,
Chahey jitni kathin dagar ho,
#JeetengeHum
#जीतेंगे हम**

Connect & Collaborate with us



प्रदान
Pradan

PROFESSIONAL ASSISTANCE
FOR DEVELOPMENT ACTION

